

8877

पञ्जाब की सीमा पर उभयपक्षों के बीच  
 की गई सेवाओं को जोड़ कर माना कि  
 गया. बाद में पर माना कि गया बाद में  
 के साथ सलतत दस्तावेजों का पदसमदान द्वारा  
 निरीक्षण होकर रिपोर्ट जो पञ्जाबी दस्तावेज व  
 गु. सं. निरीक्षण ने प्रमाण को पर माना कि  
 तो पाया गया की प्रतिक्रिया गठने द्वारा जारी की  
 साक्षी मान १२५ दस्ता १.४७ है तथा गु. सं.  
 २०५ दस्ता १.५३ है पर प्रतिक्रिया गठने  
 कहता नहीं है तथा प्रतिक्रिया गठने  
 पर १२५ दस्ता २ के इस साक्षीपत्र - पत्र  
 गतिविधि में किसी प्रकार का उल्लेख नहीं  
 करते हैं। 'पु. सं.' बाद में इस आधार की  
 कि इन्हीं निवेदनों की रिपोर्ट जारी  
 की जाती है की प्रतिक्रिया गठने साक्षी न.  
 २०५ दस्ता १.५३ है गु. सं. १२५ दस्ता १.४७  
 दस्ता साक्षी व किसी प्रकार का कहता नहीं  
 करते हैं पर निवेदने में कहता नहीं है।  
 पञ्जाब केसल गु. सं. दस्ता न. सं. २०५